निरीक्षण अफ़सर (Asstt. Inspecting Officers) और ३ माल-परीक्षक (Examiner of Stores) थे ।

(ग) ३१-१-५८ तक १,८६,७७० . ३२ रुपये

(घ) छः ।

लुग्दी का उत्पादन

२२६७. **श्री म० ला० द्विवेदी :** क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कागज तैयार करने की लुग्दी बनाने का कारखाना स्थापित करने की दिशा में अब तक क्या प्रगति हुई है ;

(ख) इन कारखानों को खोलने के लिये उपयुक्त स्थानों का पता लगाने के लिये क्या कार्यवाही की गई है ;

(ग) आसाम में एक कारखाना खोलने के लिये जिसके लिये स्वीकृति दी जा चुकी है, कितनी पूंजी लगाई जा रही है और इस कारखाने को कौन लगा रहा है ;

(घ) क्या इस सम्बन्ध में विदेशों से कोई सहयोग लिया जा रहा है ; और

(ङ) यदि हां, तो कितना और किस रूप में ?

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री (श्री लाल बहादुर शास्त्री) (क) और (ख) : कागज बनाने के काम आने वाली लुग्दी का उत्पादन करने के लिये आसाम और मध्य प्रदेश में एक-एक कारखाना स्थापित करने की दो योजनाओं को केन्द्रीय सरकार ने स्वीकार कर लिया है । ऐसे कारखाने किस स्थान पर खोले जायें इसका निश्चय कच्चा माल, परिवहन और उत्पादन प्रक्रिया के बाद शेष हानिकारक पदार्थों की निकासी की सुविधाओं तथा कारखाना स्थापित करने के लिये अन्य जरूरी सुविधाओं को ध्यान में रख कर किया जाता है । केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त कागज-पैनल स्थिति का लगातार अध्ययन कर रहा है और इस सिलसिले में आये प्रार्थना पत्रों की जांच सम्बद्ध राज्य सरकारों की सलाह से की जा रही है ।

(ग) से (ङ) : मैसर्स अमर लारी ने लाम्साखांग (आसाम) में एक नया कारखाना स्थापित करने का प्रस्ताव किया है जिसकी निर्गम पूंजी ३१० लाख रु० होगी और फर्म १६७.३४ लाख रु० के ऋण-पत्र जारी करेगी । इस फर्म ने अन्तर्राष्ट्रीय बिन निगम (वाशिंगटन) से हिस्सा-पूंजी में हिस्सेदारी के लिये एक करार करने का प्रस्ताव भी किया है और यंत्र और मशीनें मंगाने का प्रबंध भी किया जा रहा है । यह मामला अब केन्द्रीय सरकार के विचाराधीन है ।

क्षेत्रीय खान निरीक्षक

२२६८. **श्री म० ला० द्विवेदी :** क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) खानों की सुरक्षा के सम्बन्ध में इंग्लैंड में क्षेत्रीय खान निरीक्षक के प्रशिक्षण पर कितना धन व्यय किया गया, और

(ख) उससे क्या लाभ उठाया जा रहा है ?

श्रम उपमंत्री : (श्री आबिद अली) (क) २,५५५ रुपये ।

(ख) ट्रेनिंग से वापिस आने पर यह अफ़सर नेल्लोर प्रदेश में कोयला और गैर-कोयला खदानों का निरीक्षण करने के लिये नियुक्त किये गये थे । हाल ही में उन्हें आंध्र प्रदेश राज्य में खदान संस्थाओं का संगठन करने के लिये वहां की सरकार की सेवा में भेजा गया है ।